दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

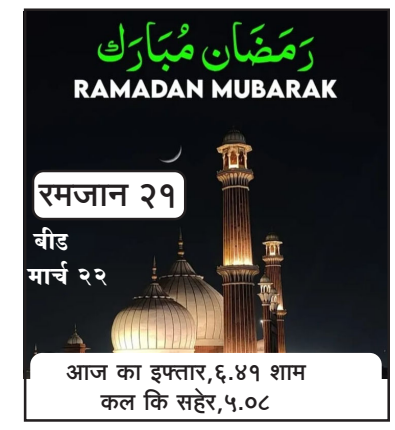

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२२८ वा | शनिवार २२ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

महायुति मिलकर लड़ेगी महापालिका चुनाव

कराड़, धनंजय मुंडे के सीधे हाथ थे इसलिए इसतेफा लेना पड़ा-मुख्यमंत्री फड़णवीस

मुंबई (जमीर काज़ी):

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि मुंबई महानगरपालिका सहित राज्य के जिन-जिन स्थानों पर संभव होगा, वहां की स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव महायुति के रूप में मिलकर लड़े जाएंगे।

एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने महायुति और आने वाले राजनीतिक समीकरणों को लेकर अपनी भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में उद्धव ठाकरे के साथ किसी भी तरह की युति नहीं की जाएगी।

फडणवीस ने कहा कि महायुति का संचालन आपसी सहमति और सामंजस्य के साथ किया जा रहा है। उन्होंने माना कि छोटे-मोटे मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राज्य के विकास के लिए हम सभी एकजुट होकर काम कर रहे हैं। मुंबई महापालिका चुनाव के अलावा, अन्य जिलों की स्थानीय निकाय चुनावों में भी महायुति के रूप में उतरने की योजना है।

राज ठाकरे के संदर्भ में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से उनके मित्र हैं, लेकिन मुंबई महापालिका चुनाव में उन्हें साथ लेने को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। समय आने पर इस पर फैसला लिया जाएगा।

दोनों उपमुख्यमंत्री मेरे प्रिय हैं: फडणवीस

जब उनसे पूछा गया कि आपके प्रिय उपमुख्यमंत्री कौन हैं, तो फडणवीस ने मज़ाकिया लहजे में कहा, दोनों ही मेरे लाडले हैं और मैं भी उनका लाडला हूं। इसलिए हम तीनों लाडले मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि नाराज़गी जैसा कोई नाटक नहीं होता। सोशल मीडिया के जमाने में बातें बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती हैं। एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों के साथ मेरा अच्छा तालमेल है। शिंदे भावुक शिवसैनिक हैं और अजित पवार कार्य के मामले में व्यावहारिक हैं।

उद्धव ठाकरे से अब कोई संबंध नहीं: फडणवीस

फडणवीस ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उनका उद्धव ठाकरे से कोई संपर्क नहीं रहा है। अब उनका संबंध केवल राज ठाकरे से है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे से कभी भिड़ंत नहीं हुई, मिलते हैं तो नमस्कार होता है, लेकिन अब कोई राजनीतिक या निजी संबंध नहीं है।

धनंजय मुंडे का इस्तीफा इसलिए लिया गया

धनंजय मुंडे के इस्तीफे पर बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि इस मामले में मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड धनंजय मुंडे का 'राइट हैंड' है, जिसने वर्षों से उनका राजनीतिक कामकाज संभाला है। इसलिए लोगों की अपेक्षा थी कि नैतिकता के आधार पर धनंजय मुंडे को फैसला लेना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस चर्चा में धनंजय मुंडे का नाम कहीं नहीं आया, लेकिन वाल्मिक कराड मुख्य आरोपी है। यदि किसी के पास धनंजय मुंडे के खिलाफ कोई ठोस सबूत है, तो सरकार जांच और कार्रवाई के लिए तैयार है। लेकिन बिना आधार के आरोपों का कोई मतलब नहीं है, ऐसा मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर मामला दर्ज

सामाजिक भावना आहत करने वाली पोस्ट पर होगी सख्त कार्रवाई: पुलिस अधीक्षक नवनीत कौवत

बीड़, २१ मार्च (प्रतिनिधि): जिले में जातीय तनाव के कारण वातावरण अशांत होता जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए बीड़ के पुलिस अधीक्षक नवनीत कौवत ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर जातीय द्वेष फैलाने वाली पोस्ट करने वालों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए।

इसी क्रम में २१ मार्च २०२५ को औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर समाज में द्वेष फैलाने के उद्देश्य से पेठ बीड़ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हेडकॉन्स्टेबल बालकृष्ण बंसी नागरगोजे की शिकायत पर पुलिस स्टेशन पेठ बीड़ में भादंवि की धारा ३५३(२) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम २००० की धारा ६६ के तहत अपराध क्रमांक ८४/२०२५ के तहत मामला दर्ज किया गया है। संबंधित पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा दिया गया है।

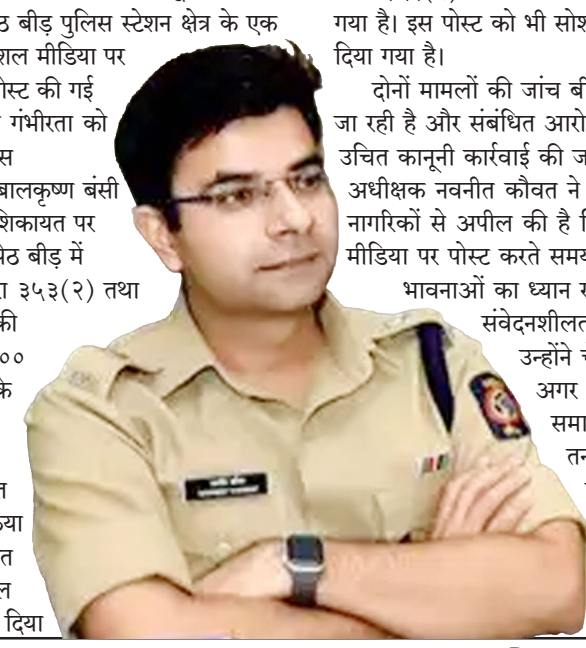

इसी तरह, २१ मार्च को ही शिवाजीनगर पुलिस थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा भी दो समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने की नीयत से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की गई थी। इस मामले में पुलिस कांस्टेबल संतोष विलास रणदिवे की शिकायत पर अपराध क्रमांक १६८/२०२५ के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा ३५३(२) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। इस पोस्ट को भी सोशल मीडिया से हटा दिया गया है।

दोनों मामलों की जांच बीड़ पुलिस द्वारा की जा रही है और संबंधित आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक नवनीत कौवत ने बीड़ जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर पोस्ट करते समय सामाजिक भावनाओं का ध्यान रखें और संवेदनशीलता बनाए रखें। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति समाज में बेवजह तनाव फैलाने वाली पोस्ट करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिराज आरज़ू को मातृशोक

बीड़ (संवाददाता):

अल-हुदा स्कूल के प्रधानाचार्य व पत्रकार सिराज आरज़ू और मलिया बॉयज़ हाई स्कूल के शिक्षक रियाज़ ख़ान की वालिदा हजिन पठान राबिया ख़ान का २१ मार्च की रात निधन हो गया। वे लगभग ७० वर्ष की थीं। मरहूमा एक नेक, मिलनसार और पाबंद-ए-नमाज़ व रोज़ा महिला थीं।

उनकी नमाज़े जनाज़ा २२ मार्च, शनिवार की सुबह ८ बजे तकीया मस्जिद परिसर में अदा की जाएगी, और दफन भी वहीं स्थित कब्रिस्तान में किया जाएगा। अल्लाह से प्रार्थना है कि उन्हें जन्नतुल फ़िरदौस में ऊँचा मक़ाम अता करे और उनके परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे। इदारा तामीर परिवार के इस दुख में बराबर का सहभागी है।

डॉ.ओमप्रकाश शेटे की आयुष्मान भारत मिशन महाराष्ट्र समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति

मुख्यमंत्री के विश्वासपात्र सहयोगी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

बीड़, २१ मार्च (प्रतिनिधि): बीड़ जिले के भूमिपुत्र और गरीबों के मसीहा के रूप में पहचान रखने वाले डॉ. ओमप्रकाश शेटे को बड़ी पदोन्नति मिली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें आयुष्मान भारत मिशन महाराष्ट्र समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति और कार्यक्षेत्र को लेकर सरकार की ओर से आधिकारिक शासन परिपत्र जारी किया गया है। सरकार द्वारा दिया गया यह सम्मान डॉ. शेटे के वर्षों की मेहनत और समर्पण को रेखांकित करता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के कारण आम जनता की अपेक्षाएं और उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बेहद विश्वासपात्र सहयोगी के रूप में डॉ. शेटे पूरे महाराष्ट्र में प्रसिद्ध हैं। इससे पहले जब फडणवीस मुख्यमंत्री थे, उस दौरान डॉ. शेटे ने मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कक्ष के माध्यम से जो कार्य किया, वह न केवल उल्लेखनीय था, बल्कि ऐतिहासिक भी रहा। उस समय मुख्यमंत्री का सातवां माला' गरीब मरीजों के लिए एक स्वास्थ्य मंदिर बन गया था, और उस मंदिर में पुजारी के रूप में डॉ. शेटे ने जिस प्रकार मरीजों की सेवा की, वह महाराष्ट्र कभी नहीं भूल सकता। उस समय लाखों लोगों को इस योजना का लाभ मिला और मुख्यमंत्री सहायता निधि से ६०० करोड़ रुपये तथा धर्मादाय कोटे से १,२०० करोड़ रुपये के इलाज किए गए थे।लेकिन महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में गरीब मरीजों को उपचार के लिए मदद मिलना बेहद कठिन हो गया था। अब जब देवेंद्र फडणवीस दोबारा सत्ता में आए हैं, उन्होंने फिर से अपने विश्वसनीय सहयोगियों को महत्वपूर्ण स्थान देना शुरू किया है। इसी कड़ी में डॉ. ओमप्रकाश शेटे को भी पदोन्नति देकर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।फडणवीस सरकार ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा फुले जन आरोग्य योजना को मिलाकर ५ लाख रुपये का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की जिम्मेदारी डॉ. शेटे को सौंपी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में आयुष्मान भारत के अध्यक्ष के रूप में डॉ. शेटे की नियुक्ति का निर्णय लेकर फडणवीस ने एक बड़ा कदम उठाया है, जिसकी चारों ओर सराहना हो रही है।डॉ. ओमप्रकाश शेटे: एक सक्षम विकल्प विधान परिषद में हुए अधिवेशन में सत्तारूढ़ और विपक्ष दोनों ने आयुष्मान भारत और महात्मा फुले जन आरोग्य योजना में मौजूद खामियों को उजागर किया था। सभी का आरोप था कि योजना की त्रुटियों के कारण आम आदमी को ५ लाख रुपये का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में योजना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और योजनाओं में व्याप्त रुकावटों को दूर करने के लिए फडणवीस ने एक अनुभवी और सक्षम व्यक्ति के रूप में डॉ. ओमप्रकाश शेटे पर भरोसा जताया है।रुग्ण और अस्पताल दोनों बचने चाहिए..!प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा फुले जन आरोग्य योजना को मिलाकर बनाई गई संयुक्त आयुष्मान योजना के अंतर्गत राज्य के १८०० से अधिक अस्पतालों को शामिल किया गया है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इन अस्पतालों पर निगरानी बनाए रखना जरूरी है। अब देखना यह है कि डॉ. ओमप्रकाश शेटे इस बीच का संतुलन कैसे साधते हैं। रुग्ण और अस्पताल - दोनों के बीच समन्वय साधना उनकी नई भूमिका की सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्हें जो अधिकार मिले हैं, उनका उपयोग करते हुए वे निश्चित ही मरीजों और अस्पतालों के बीच सामंजस्य स्थापित करेंगे, इसमें कोई शक नहीं है। उनका पिछला व्यापक अनुभव इस दिशा में उनके लिए सहायक सिद्ध होगा।

सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों को कब किया जाएगा बर्खास्त?-हर्षवर्धन सपकाळ का सवाल

मुंबई (जमीर काज़ी):

परभणी के शिक्षित और आंबेडकरी विचारधारा से जुड़े युवक सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत पुलिस की मारपीट के कारण हुई थी, फिर भी इसे आकस्मिक मृत्यु बताकर मामला दबाने की कोशिश की गई। अब मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में भी यह स्पष्ट हो गया है कि सूर्यवंशी की मृत्यु पुलिस की मारपीट के चलते हुई थी। ऐसे में क्या फडणवीस सरकार जागेगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें बर्खास्त करेगी? यह तीखा सवाल कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने उठाया है।

मीडिया से बात करते हुए सपकाळ ने कहा कि परभणी की यह घटना अत्यंत गंभीर है और मानवता को शर्मसार करने वाली है। संविधान की प्रतिकृति के अपमान को लेकर शुरू हुए आंदोलन को पुलिस संभाल नहीं पाई। शहर में शांति से आंदोलन चल रहा था, फिर भी पुलिस ने बर्बर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोगों को गंभीर चोटें आईं और कई को जेल में डाला गया। इसी दौरान सोमनाथ सूर्यवंशी को भी गिरफ्तार कर उनकी बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बावजूद सरकार ने मामले को दबाने की कोशिश की।

सपकाळ ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने नागपुर के शीतकालीन अधिवेशन में यह गलत जानकारी दी कि सूर्यवंशी की मौत अस्थमा की वजह से हुई थी। सवाल यह है कि परभणी में कॉम्बिंग ऑपरेशन और लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया - मंत्रालय ने या पुलिस महानिदेशक कार्यालय ने? इसकी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस इस मामले को संभालने में पूरी तरह विफल रहे हैं। जब एक दलित युवक की मौत पुलिस की पिटाई से हो जाती है और सरकार गंभीरता नहीं दिखाती, तो इससे भाजपा-शिवसेना सरकार की दलित विरोधी मानसिकता स्पष्ट होती है।

सपकाळ ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस घटना की गंभीरता को समझते हुए परभणी जाकर सूर्यवंशी के परिजनों से मुलाकात की और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। कांग्रेस पार्टी तब तक इस मामले का पीछा करती रहेगी जब तक सूर्यवंशी के परिवार को इंसाफ नहीं मिल जाता।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

राज्य में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की संभावना

बीड़, २१ मार्च (प्रतिनिधि): महाराष्ट्र में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। कहीं तेज धूप झेलनी पड़ रही है, तो कहीं बादलों से ढका आसमान दिखाई दे रहा है। इसी बीच वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञ माणिकराव खुले ने जानकारी दी है कि विदर्भ के ११ जिलों और मराठवाड़ा के ८ जिलों में रविवार तक बेमौसम बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

मध्य महाराष्ट्र के खानदेश, नासिक, अहमदनगर, पुणे, सतारा, सांगली, कोल्हापुर और सोलापुर जिलों में फिलहाल बेमौसम बारिश का असर न होने के बावजूद, २३ से २५ मार्च के दौरान बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। बारिश से अधिक बिजली, तेज हवा और गरज-चमक जैसे बेमौसम मौसमी प्रभाव की संभावना अधिक है। हालांकि, इन १० जिलों में ओलावृष्टि की संभावना नहीं है।

२१ से २४ मार्च के बीच के पांच दिनों में, कोकण को छोड़कर पूरे महाराष्ट्र में दिन के अधिकतम तापमान में २ से ३ डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। राज्य में फिलहाल गर्मी की लहर (हीट वेव) की कोई आशंका नहीं है। मुंबई समेत कोकण के ७ जिलों में वर्तमान तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं आएगा और यह स्थिर बना रहेगा।

इस बीच, बंगाल की खाड़ी में ९०० मीटर ऊंचाई तक प्रतिचक्रवातीय हवाएं तथा मध्य प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम भाग में १५०० मीटर ऊंचाई तक चक्रवातीय हवाएं चल रही हैं। इन दोनों हवाओं के संगम के कारण विदर्भ क्षेत्र में गर्म वाष्प का वातावरण में ऊर्ध्वगमन हो रहा है, जो ऊपर की ठंडी हवा से मिलकर संघनन के कारण ऊष्मा संवहन क्रिया को जन्म दे रहा है। इससे बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की संभावना बनी है।

मौसम विभाग के अनुसार, आगामी पांच दिनों में मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, विदर्भ के कुछ जिलों के लिए २१ और २२ मार्च को तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार ४० से ५० किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।

'उस' मासूम बच्ची का आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

अमजद खान और परशुराम गुरखुदेने उठाई जिम्मेदारी

बीड़, २१ मार्च (प्रतिनिधि): सात वर्षीय मासूम बच्ची को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद उसकी मां ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए शव को सरकारी अस्पताल में ही छोड़ दिया था। इस हृदयविदारक घटना के सामने आने के बाद पत्रकार अमजद खान के पहल पर द्वारकाधीश मित्र मंडल के परशुराम गुरखुदे ने बच्ची के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी ली है। आज इस मासूम बच्ची का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर की एक महिला अपनी बीमार सात वर्षीय बेटी को लेकर जिला अस्पताल पहुंची थी। डॉक्टरों ने बच्ची की जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद बच्ची की मां, जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है, ने बताया कि उसके पास अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं हैं और उसने बच्ची का शव अस्पताल में ही छोड़ दिया और वहां से चली गई। इस घटना की जानकारी जिला अस्पताल के रिकॉर्ड में दर्ज की गई।

इस पूरे मामले की जानकारी मिलने पर पत्रकार अमजद खान ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पहल की और कहा कि यदि कोई रिश्तेदार आगे नहीं आता तो वे अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी लेंगे। इस बीच, द्वारकाधीश मित्र मंडल के सदस्य परशुराम गुरखुदे आगे आए और उन्होंने बच्ची के अंतिम संस्कार की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली। मानवता की इस मिसाल के चलते, भले ही बच्ची के कोई रिश्तेदार अंतिम संस्कार के लिए आगे नहीं आए हों, लेकिन अमजद खान और परशुराम गुरखुदे के प्रयासों से आज उस मासूम का अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक किया जाएगा।

आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक की जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को सौंपी गई

विशेषज्ञों की समिति होगी गठित, मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल शुरू

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि):

आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवजयंती के अवसर पर की थी। अब इस परियोजना के क्रियान्वयन और निधि प्रबंधन की जिम्मेदारी महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन विभाग को सौंपी गई है। इस संबंध में शासन निर्णय आज जारी कर दिया गया है।

पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी, जिसमें इतिहासकार, जानकार और संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। स्मारक के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण, निधि की उपलब्धता और अन्य तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी भी पर्यटन विभाग को दी गई है। महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल (चढऊ) इस परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में काम करेगा।

राज्य सरकार ने यह स्मारक छत्रपति शिवाजी महाराज और बाळराजे संभाजीराजे की आगरा से हुई ऐतिहासिक मुगलों की कैद से मुक्ति की स्मृति को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बनाने का निर्णय लिया है।

जिस स्थान पर छत्रपति शिवाजी महाराज आगरा में नजरबंद थे, उस ऐतिहासिक भवन और भूमि का अधिग्रहण महाराष्ट्र सरकार इस परियोजना के अंतर्गत करेगी। वहां पर भव्य स्मारक बनाया जाएगा, जिसमें महाराज के गौरवशाली इतिहास को आधुनिक माध्यमों के जरिए दर्शाया जाएगा। इसमें संग्रहालय, ऑडियो-विजुअल कार्यक्रम, डॉक्यूमेंट्री आदि सुविधाएं शामिल होंगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज और बाळराजे संभाजीराजे, जिन्हें मुगलशाही ने कपटपूर्वक आगरा में नजरबंद किया था, ने अपने चातुर्य और पराक्रम से स्वयं के साथ-साथ अपने मावलों को भी कैद से मुक्त कराया था। यह घटना न केवल मराठी समाज के लिए बल्कि समूचे देश के इतिहासप्रेमी नागरिकों के लिए गर्व का विषय है।

आज भी आगरा में वह स्थान, जहां शिवाजी महाराज नजरबंद थे, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, लेकिन वहां किसी प्रकार का ऐतिहासिक स्मारक या संग्रहालय न होने के कारण यह महान गाथा पर्यटकों तक नहीं पहुंच पाती। महाराष्ट्र से बाहर शिवाजी महाराज का यह साहसिक कार्य इतिहास की अत्यंत विशिष्ट और अध्ययनयोग्य घटना मानी जाती है। इसी विरासत को संरक्षित और विकसित करने के लिए तथा महाराष्ट्र की सीमा से बाहर ऐसे अन्य ऐतिहासिक स्थलों को भी सहेजने और संवर्धित करने का निर्णय राज्य सरकार ने जागरूकता के साथ लिया है, ताकि यह प्रेरणादायी इतिहास आनेवाली पीढ़ियों तक जीवंत रूप में पहुंच सके।

ज़ैनाबाद मस्जिद (जैनब आबाद) तलवार मामले में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीपीओ से की मुलाकात

जलगांव (अकील खान ब्यावली)

हाल ही में जलगांव आसोदा भादली मार्ग पर स्थित पुराने इलाके जैनाबाद में बजरंग दल का एक युवक तलवार लेकर मस्जिद में घुस गया था उसने वहां दरवाजे और पानी की टंकियों की तोड़फोड़ की थी जिसे पुलिस ने बड़ी मुस्तैदी से गिरफ्तार कर लिया था तीन दिनों की पुलिस हिरासत के बाद अब उसे सब जेल भेज दिया गया है इस संबंध में शहर के एक प्रतिनिधिमंडल ने जलगांव एस.डी.पी.ओ.संदीप गावित से मुलाक़ात कर उनसे मांग की के इस युवक पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएं ताकि इससे औरों को सिख मिले और वातावरण ख़राब न हो पाए साथ ही यह भी मांग की गई कि मस्जिद की सुरक्षा व्यवस्था की जाएं परीसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए,पुलिस प्रशासन ने इस संबंध में कारवाई करने का आश्वासन दिया इस प्रतिनिधिमंडल में पुर्व उप महापौर अब्दुल करीम सालार, पुर्व नगरसेवक खालिद बाबा बागबान,समाज सेवक सैय्यद अयाज अली,फारूक कादरी, महेमूद पिंजारी,रईस पिंजारी और अन्य शामिल थे.

दादा खिंडकर को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बीड़, २१ मार्च (प्रतिनिधि): धनंजय देशमुख के साले दादा खिंडकर को न्यायालय ने शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पिंपळनेर पुलिस थाने में खिंडकर के खिलाफ घर में सेंधमारी और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोपों के तहत मामले दर्ज हैं। १० दिन की पुलिस हिरासत पूरी होने के बाद अब उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

दादा खिंडकर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसमें वह ओमकार सातपुते को बेरहमी से पीटते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो से यह सामने आया कि मारपीट अमानवीय तरीके से की गई थी। ओमकार सातपुते, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के जिला प्रमुख परमेश्वर सातपुते के चचेरे भाई हैं। इस घटना को लेकर पिंपळनेर पुलिस थाने में खिंडकर के खिलाफ देर से मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए विशेष टीम तैनात की थी, लेकिन वह खुद बीड़ के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आत्मसमर्पण करने पहुंचा।

न्यायालय ने पहले उसे ७ दिन और फिर ३ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। शुक्रवार, २१ मार्च को पुलिस हिरासत पूरी होने के बाद अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

राज्य में गुटखा प्रतिबंधित होने के बावजूद धड़ल्ले से हो रही बिक्री, गुजरात मार्ग से होता है प्रवेश, लेकिन नहीं हो रही कार्रवाई: विजय वडेट्टीवार की तीखी आलोचना

मुंबई, २१ मार्च (विशेष प्रतिनिधि): महाराष्ट्र में गुटखा पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, इसके बावजूद राज्यभर में गुटखा आसानी से उपलब्ध है। इस गंभीर विषय पर कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने शुक्रवार को विधानसभा में सरकार की तीखी आलोचना की।

विधानसभा में लक्षवेधी के दौरान बोलते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि महाराष्ट्र में गुटखा प्रतिबंधित है, फिर भी यह हर जगह खुलेआम बेचा जा रहा है, जबकि अन्य राज्यों में इस पर रोक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात के रास्ते गुटखा महाराष्ट्र में प्रवेश कर रहा है और इस पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे सरकार का राजस्व भी प्रभावित हो रहा है।

वडेट्टीवार ने कहा कि यदि पुलिस ठान ले तो एक भी गुटखे की पुड़िया नहीं बिक सकती, फिर भी विदर्भ और मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों में गुटखा आसानी से मिल रहा है, जिससे जनता के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है।

इस मुद्दे पर उत्तर देते हुए मंत्री योगेश कदम ने बताया कि गुटखा की बिक्री पर कार्रवाई करने का जिम्मा अन्न व औषध प्रशासन विभाग का है। उन्होंने माना कि फिलहाल इस विभाग में खाद्य निरीक्षकों की कमी है, लेकिन अगले दो महीनों में नई नियुक्तियां की जाएंगी और गुटखा बिक्री के खिलाफ कार्रवाई तेज की जाएगी। मंत्री कदम ने यह भी आश्वासन दिया कि गुटखा के व्यापारी, विक्रेता और आपूर्तिकर्ताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

देशमुख मर्डर केस बीड़ ट्रांसफर

बीड़: मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित मामला अब केज से बीड़ स्थानांतरित कर दिया गया है। न्यायालय ने इस केस को बीड़ के मकोका न्यायालय में स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी है। सुरक्षा कारणों के चलते यह निर्णय लिया गया है, ऐसी जानकारी न्यूज़ एंड व्यूज़ को सूत्रों से प्राप्त हुई है।

गौरतलब है कि ९ दिसंबर २०२४ को संतोष देशमुख की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में वाल्मिक कराड, सुदर्शन घुले, विष्णु चाटे, प्रतीक घुले, सुधीर सांगळे समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मकोका, हत्या, रंगदारी और ॲट्रॉसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

इस मामले में आरोपी कृष्णा आंधळे को छोड़कर अन्य सभी आरोपी गिरफ्तार हैं। प्रारंभिक सुनवाई केज न्यायालय में हुई थी, और अगली सुनवाई २६ मार्च को निर्धारित है। सरकारी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम और एडवोकेट बाळासाहेब कोल्हे की नियुक्ति की गई है।

इस केस को बीड़ ट्रांसफर करने की याचिका न्यायालय में दायर की गई थी। याचिका में बताया गया कि वाल्मिक कराड और अन्य आरोपी संगठित आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं और केज, धारूर, परळी क्षेत्रों में उनका आतंक है। ऐसी स्थिति में यदि मुकदमा केज में चलता रहा, तो गवाहों और अन्य व्यक्तियों पर दबाव बनाया जा सकता है।

इसलिए यह मांग की गई थी कि मुकदमा बीड़ के मकोका न्यायालय में चलाया जाए। इस याचिका पर बीड़ के न्यायाधीश आनंद यावलकर के समक्ष सुनवाई हुई और उन्होंने केस को केज से बीड़ स्थानांतरित करने की अनुमति प्रदान की।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com